Shrimati Lakshmikanthamma: In view of the actual shortage of rice and the constant demand from the people of Kerala for an increase of one ounce in rice ration, will Government get more rice and give it to Kerala?

Mr. Speaker: Suggestion for action.

Shri C. Subramaniam: Andhra State should come to their help.

श्री काशीराम गुप्त : गेहूं के आयात का जो कार्यक्रम बनाया गया है क्या वह इतना होगा कि दस लाख से अधिक की आबादी सभी के शहरों को राशन के रूप में दिया जा सके ?

Shri C. Subramaniam: That is the decision which has been taken that there should be rationing in towns with a population of one million and more.

श्री सरजू पाण्डेय : इस बात को देखते हुये कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में अकाल पड़ा हुआ है और वहां की सरकार का जो कोटा निर्धारित है वह उसको नहीं दिया जा रहा है क्या सरकार निकट भविष्य में इम्पोर्टिड गेहूं और चावल उत्तर प्रदेश को भेजने का इंतजाम करेगी ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो स्टेट गवर्नमेंट.

श्री सरजू पाण्डेय : वहां की हालत बहुत खराब है ।

Pricing and Distribution of Fertilizers.

\+

*156. **Shri S. C. Samanta:**
Shri Rameshwar Tantia:
Shri A. N. Vidyalankar:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Mohammed Koya:
Shri Subodh Hansda:
Shri M. S. Murti:
Maharajkumar Vijaya Ananda:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1251 on the 16th March, 1965 and state:

(a) whether the Committee to examine the question of price and distribution of fertilizers to the farmers has since submitted its report;

(b) if so, the main findings thereof; and

(c) whether all the recommendations have been accepted and implemented by Government?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri Shahnawaz Khan): (a) No, please, The Committee is expected to submit its report by the 31st August, 1965.

(b) and (c). Do not arise.

Shri S. C. Samanta: May I know whether maldistribution of fertilisers from the Central Government itself will also be considered by this Committee?

Shri Shahnawaz Khan: Yes, Sir. All aspects will be considered.

Shri S. C. Samanta: May I know whether the question of lifting of fertilisers by State Governments and with agents has also been referred to this Committee in order to find out remedies for it?

Shri Shahnawaz Khan: All aspects of distribution will be considered.

Shri M. S. Murti: We have short supply of fertilisers in Andhra Pradesh.

Will Government consider establishing more and more fertiliser factories in Andhra Pradesh?

The Minister of Food and Agriculture (Shri C. Subramaniam): The report will not be able to solve it We will have to take further action.

श्री विश्राम प्रसाद : हमारी सरकार कहती है कि वह किसान को पैदावार बढ़ाने के लिये बड़ी सहूलियतें दे रही है । लेकिन आप देखें कि किस तरह की सहूलियतें दी जा

रही हैं। इम्पोर्टिड फरटिलाइजर दो सो रुपये टन आता है, सिंधरी में जो तैयार होता है वहां 370 रूपये फी टन के हिसाब से तैयार होता है और किसान को जो मिलता है वह 436 रुपये फी टन के हिसाब से मिलता है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार दाम भी कम करने के बारे में सोच रही है, यदि हां तो कब तक और कितने दाम कम किये जायेंगे ?

श्री कपूर सिंह : कभी नहीं होगा।

श्री शाहनवाज खां : जैसे जैसे उसकी मिकदार बढ़ती जायेगी, प्रोडकशन बढ़ेगा, उम्मीद है कीमतें भी कम होंगी।

श्री विश्राम प्रसाद : यह क्या जबाव हुआ ?

अध्यक्ष महोदय : जवाब तो इधर से आ गया था।

श्री क० ना० तिवारी : फर्टिलाइजर फैक्ट्री लगाने में अभी देर है और प्रोडकशन बढ़ाने के लिये फर्टिलाइजर जरूरी है। जो कमी है उसको पुरा करने के लिये सरकार बाहार से मंगाने का क्या प्रबंध कर रही है और कब तक वह आ जायेगा ?

श्री शाहनवाज खां : फर्टिलाइजर की तलाश कर रहे हैं दुनिया में कहां मिल सकता है। फार्टिलाइजर की आज दूनिया में काफी कमी है। विदेशी मुद्रा जो है उसकी भी कुछ कमी है।

श्री बृजराज सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह उत्तर दिया जा रहा है या खाली मजाक किया जा रहा है कि तलाश की जायेगी और जब प्रोडकशन बढ़ेगा तब कीमतें कम हो जायेंगे।

अध्यक्ष महोदय: इस बारे में तो इतनी नाराजगी नहीं होनी चाहिये कि तलाश की जा रही है दूसरी गवर्नमेंटों से खत व किताबत कर के ही देखना है कि कहां से मिल सकता है।

श्री बृजराज सिंह: इस का उत्तर तो यह होता है कि ऐसा ऐसा किया गया है, पत्र व्यवहार कर रहे हैं और उन का जवाब आने पर बतलायेंगे। गवर्नमेंट तलाश करेगी के क्या माने होते हैं।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने कहा कि तलाश कर रहे हैं। आप जब इस तरफ आयेंगे और जवाब देगें तब ठीक जवाब दीजियेगा।

Shri Rameshwar Tantia: What is the total production of fertiliser and what is the consumption and how much do we import?

Shri C. Subramaniam: The production in the country this year would be about three lakh tons nitrogen; we will be importing 3.5 lakh tons of nitrogen—and the demand in the country is round about 1.2 to 1.4 million tons of nitrogen.

श्रीमती सहोदरा बाई राव: क्या माननीय मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि मध्य प्रदेश में उर्वरक के कितने कारखाने हैं और अगर नहीं हैं तो क्या वह उन को वहां बनाने के लिये तैयार हैं या नहीं।

Shri C. Subramaniam: There is no factory at present. The question whether any new factory will be put up there might be put to the Petroleum Ministry.

Luxury Hotels in India

\+

*157. **Shri S. C. Samanta:**
Shri Rameshwar Tantia:
Shri P. C. Borooah:
Shri P. R. Chakraverti:
Shrimati Tarkeshwari Sinha:
Shri Indrajit Gupta:
Shri D. C. Sharma: